EQUAL EDUCATION

समान शिक्षा अभियान

Equal Education Campaign

समान अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा और समान अवसर दिलाने का संकल्प

आज हमारे बच्चे अभूतपूर्व विषमता की स्थिति का सामना कर रहे हैं। ग्रामीण, गरीब, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े समुदायों से आने वाले बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में अन्याय का सामना कर रहे हैं। उन्हें अपनी उच्चतम मानवीय क्षमता तक बढ़ने के उचित अवसर से वंचित किया जा रहा है। हमारे अधिकांश बच्चे बुनियादी सुविधाओं के आभाव में है और गुणवत्ताहीन शिक्षा प्राप्त करने के लिए मजबूर है। दूसरी और बहुत छोटी संख्या में कुछ बच्चे उच्चतम सुविधाएं और उच्चतम गुणवत्ता की शिक्षा प्राइवेट शालाओं में प्राप्त कर रहे है। शिक्षा की गुणवत्ता में यह भारी अंतर दो अलग-अलग भारत बना रहा है; एक छोटा सा भारत जो शिक्षा की चमक में चमकता है और दूसरा बड़ा भारत जो गुणवत्ताहीन शिक्षा के अंधेरे में तड़प रहा है।

यदि आप एक गरीब परिवार में पैदा हुए हैं, यदि आप एक लड़की के रूप में पैदा हुए हैं,
यदि आप ग्रामीण क्षेत्र में पैदा हुए हैं, या यदि आप ऐसे माता-पिता के घर पैदा हुए हैं जो शिक्षित नहीं हैं,
या यदि आप सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े समुदाय में पैदा हुए हैं, तो आपको इस अन्याय और अवसर की असमानता को झेलना होगा।
आज की सभ्य दुनिया में आप जिस परिवार में या स्थान पर पैदा हुए हैं, वह आपके भाग्य का फैसला क्यों करे? यह समाज और राष्ट्र कम से कम इतना तो कर ही सकता है कि अपने सभी बच्चों को समान और अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा सुनिश्चित करे, चाहे वे कहीं भी पैदा हुए हों।
हर बच्चे को उसकी पूरी मानवीय क्षमता तक पहुँचने के लिए समान अवसर सुनिश्चित करके ही हम एक समृद्ध और महान नागरिक राष्ट्र बनने की कल्पना कर सकते हैं।

सरकारों को दोष देने से कोई लाभ नहीं है! राजनेताओं को कोसने से कोई लाभ नहीं है। अतीत की आलोचना करने से कोई लाभ नहीं है। एकमात्र लाभकारी बात यह है कि स्थिति को सुधारने के लिए प्रयास किया जाए। और समान शिक्षा अभियान इस देश के नागरिकों के रूप में हमारी ओर से वह प्रयास है। और हमें यह सुनिश्चित करने के लिए स्कूल, समाज और सरकारों के साथ मिलकर काम करना होगा ।

शिक्षा का अधिकार कानून, सर्व शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, और अब समग्र शिक्षा अभियान, आदि, सभी शालाओं में सभी बुनियादी सुविधाओं और अच्छी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का वादा करते है। यह हमारे बच्चों का अधिकार है और हमें ही उन्हें दिलाना होगा।

आइए अपने पड़ोस के स्कूल में निम्नलिखित बाते सुनिश्चित करें

- सभी बच्चे स्कूल जाते हो,
- कक्षाओं में पर्याप्त लाइट और पंखे हो,
- बैठने के लिए डेस्क-बेंच या अच्छे मैट हो और पढ़ाने के लिए अच्छा बोर्ड हो,
- लड़कियों और लड़कों के लिए अलग-अलग उपयोगयोग्य शौचालय हो, जिनमें पानी उपलब्ध हो,
- स्कूल में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल हो,
- स्कूल में पुस्तकालय और पर्याप्त शिक्षण सामग्री हो,
- स्कूल में विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त कक्षाएँ हो,
- शिक्षक प्रशिक्षित हो और पर्याप्त संख्या में हो,
- शिक्षण कार्य नियमित रूप से और सही शिक्षण पद्धति के साथ होता हो,
- विद्यार्थियों के लिए देश दुनिया में उपलब्ध सम्भावनाओ, विकल्प और करियर मार्गदर्शन हो,
- खेल का मैदान/खेल/मनोरंजन उपकरण/सामग्री हो,
- आदर्श नागरिक और मानवीय मूल्यों की प्रभावी शिक्षा हो,
- वे सभी चीजें हो जो समानअच्छी गुणवत्ता और समान अवसरों के लिए आवश्यक हैं

नोट: यह एक विस्तृत सूची नहीं है, इसमें केवल कुछ महत्वपूर्ण चीजें सूचीबद्ध हैं जिन्हें किया जाना चाहिए।)

अभियान में हमारी भूमिका क्या है

1. शिक्षकों, छात्रों के अभिभावकों, आस-पड़ोस के अन्य सामाजिक रूप से जागरूक लोगों से मिलना तथा उन्हें बच्चों के समान उच्च-गुणवत्ता की शिक्षा के अधिकार के बारे में जागरूक करना।
2. विद्यालय में कमियों की पहचान करना तथा समान उच्च-गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए विद्यालय विकास योजना बनाना।
3. समुदाय, स्कूल, जिला तथा राज्य स्तर पर योजना का अनुपालन तथा क्रियान्वयन सुनिश्चित करना।
4. क्रियान्वयन की प्रगति पर नज़र रखना, स्कूलों में उपलब्धियों/सुधारों का दस्तावेजीकरण करना तथा हितधारकों के साथ साझा करना। इस उद्देश्य के लिए डिज़ाइन किए गए सॉफ़्टवेयर टूल का उपयोग करना।
5. अभियान की आवश्यकता के बारे में मुख्यधारा के प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को जागरूक करना तथा उन्हें अभियान की प्रगति से अवगत रखना।
6. सोशल मीडिया के माध्यम से प्रत्येक बच्चे के लिए समान उच्च-गुणवत्ता की शिक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता के बारे में समाज को जागरूक करना।
7. अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए शांतिपूर्ण सभाएँ, प्रेस कॉन्फ्रेंस, मीडिया ब्रीफिंग, समान शिक्षा टीमों की बैठकें, आदि आयोजित करना।

अभियान से अपेक्षित परिणाम

1. चयनित विद्यालयों में बुनियादी ढांचे और अन्य सुविधाओं में महत्वपूर्ण सदृश्य सुधार।
2. पठन-पाठन प्रक्रिया और परिणामों में महत्वपूर्ण सदृश्य सुधार।
3. बच्चों में मानवतावादी मूल्यों का समावेश और व्यवहार में प्रत्यक्ष परिवर्तन।
4. पाठ्यक्रम, कैरियर मार्गदर्शन, पुस्तकालय आदि पर सर्वोत्तम संभव सामग्री की उपलब्धता।
5. प्रत्येक बच्चे को अपनी पूर्ण मानवीय क्षमता तक विकसित होने का समान अवसर मिलना।